भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-306

उत्तर देने की तारीख-05/02/2024

स्कूलों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी सुविधा

306. श्री अजय कुमार मंडल:
श्रीमती लॉकेट चटर्जी:
श्री रमेश चन्द्र कौशिक:
श्रीमती नवनित रवि राणा:
श्री महाबली सिंह:
श्रीमती रमा देवी:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश विशेषकर बिहार, पश्चिमी बंगाल, हरियाणा और महाराष्ट्र में और खासकर भागलपुर, काराकाट, शिवहर, हुगली, सोनीपत और अमरावती संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में सरकारी और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) से सहायता प्राप्त प्रयोगशालाओं, स्मार्ट कक्षाओं और विद्यालयों की कुल संख्या कितनी है;
(ख) क्या इन राज्यों में शिक्षकों के लिए उनके शिक्षण कौशल का उन्नयन करने हेतु कोई प्रशिक्षण तंत्र उपलब्ध है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या छात्रों के ज्ञान में वृद्धि करने के लिए सरकार द्वारा कोई नई पहल की जा रही हे और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या महाराष्ट्र राज्य द्वारा राज्य में विद्यालयों के उन्नयन हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद प्रधानमंत्री श्री योजना कार्यान्वित की जा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी जिले- वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) **और (ख):** देश में 135740 स्कूलों में आईसीटी प्रयोगशालाओं को अनुमोदित किया गया है और 103662 स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम अनुमोदित हैं। बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल और भागलपुर, काराकाट, शिवहर, हुगली, सोनीपत और अमरावती संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अनुमोदित आईसीटी प्रयोगशालाओं और स्मार्ट कक्षाओं का ब्योरा निम्नानुसार है: -

राज्य	**आईसीटी** प्रयोगशालाएं	**स्मार्ट कक्षाएँ**	**जिला**	**आईसीटी** प्रयोगशालाएं	**स्मार्ट कक्षाएँ**
बिहार	7563	4846	भागलपुर	272	128
			काराकाट (रोहतास)	259	128
			शिवहर	60	32
हरियाणा	4277	3274	सोनीपत	255	197
महाराष्ट्र	10135	3501	अमरावती	361	90
पश्चिम बंगाल	4024	0	हुगली	256	0

स्रोत: प्रबंध

शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में है और अधिकांश स्कूल संबंधित राज्य सरकार और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन हैं। स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने 21 अगस्त, 2019 को निष्ठा – स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल नामक एक एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्राथमिक स्तर पर अधिगम के परिणामों में सुधार के लिए एक राष्ट्रीय मिशन शुरू किया। इस एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य लगभग 42 लाख शिक्षकों और स्कूलों के प्रमुखों, एससीईआरटी और डीआईईटी के संकाय सदस्यों और ब्लॉक संसाधन समन्वयकों और क्लस्टर संसाधन समन्वयकों की क्षमता का निर्माण करना था। वर्ष 2021-22 और वर्ष 2022-23 में, निष्ठा को निम्नलिखित को शामिल करने के लिए विस्तारित किया गया है:

1. **निष्ठा माध्यमिक ने** लगभग 7.97 लाख शिक्षकों को शामिल करते हुए सामान्य और विषय विशिष्ट मॉड्यूल सहित 68 मॉड्यूल के साथ पूरा किया।
1. **निष्ठा मूलभूत साक्षारता और संख्यात्मकता ने** 12.97 लाख शिक्षकों को शामिल करते हुए 12 मॉड्यूल के साथ पूरा किया। इस उद्देश्य के लिए, शिक्षा के मूलभूत चरण में पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए एक अनुकूलित एफएलएन पैकेज को विशिष्ट सामग्री और शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु प्री-स्कूल से प्रारंभिक प्राथमिक ग्रेड तक निरंतरता को शामिल करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

   निष्ठा ईसीसीई 6 पाठ्यक्रमों के साथ मास्टर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए शुरू किया गया। इसका उद्देश्य मास्टर प्रशिक्षकों को उन्मुख करना, उन्हें ईसीसीई चरण के लिए शैक्षणिक प्रथाओं से अवगत कराना है। अब तक, 33,648 को निष्ठा ईसीसीई के तहत प्रमाणित किया गया है।

   कुछ राज्यों ने अनुनय के बावजूद इन प्रशिक्षणों को स्वीकार नहीं किया।

शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों के कौशल को विकसित करने के लिए दीक्षा के माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं। आज तक विभिन्न केंद्रों सहित विभिन्न राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले पाठ्यक्रमों के लिए दीक्षा में **17.16 करोड़** का **नामांकन** शामिल हैं। इसमें शिक्षक, छात्र, अभिभावक और अन्य हितधारक शामिल हैं।

(ग): समग्र शिक्षा योजना स्कूल शिक्षा के लिए एक एकीकृत योजना है जो प्री-स्कूल से बारहवीं कक्षा तक पूरे समूह को एक निरंतरता के रूप में शामिल करती है। यह योजना न केवल आरटीई अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए सहायता प्रदान करती है, बल्कि एनईपी 2020 की सिफारिशों के साथ भी अनुकूलित की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी बच्चों को एक समान और समावेशी कक्षा वातावरण के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच का अवसर प्राप्त हो जिन्हें उनकी विविध पृष्ठभूमि, बहुभाषी आवश्यकताओं, विभिन्न शैक्षणिक क्षमताओं का ध्यान रखना चाहिए और उन्हें अधिगम की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना चाहिए.

समग्र शिक्षा योजना के तहत स्कूल शिक्षा के सभी स्तरों पर प्रमुख कार्यकलाप हैं: (i) प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा; (ii) मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता; (iii) अवसंरचना विकास और प्रतिधारण सहित सार्वभौमिक पहुंच; (iv) वर्दी, पाठ्यपुस्तकों आदि सहित आरटीई हकदारी है (v) गुणवत्ता और नवाचार (vi) शिक्षक वेतन के लिए वित्तीय सहायता (vii) भाषा शिक्षकों की नियुक्ति (viii) जेंडर और समानता (ix) समावेशी शिक्षा (x) शिक्षक शिक्षा संस्थानों और प्रशिक्षण का सुदृढ़ीकरण (xi) व्यावसायिक शिक्षा (xii) आईसीटी और डिजिटल पहल (xiii) खेल और शारीरिक शिक्षा (xiv) निगरानी और कार्यक्रम प्रबंधन और (xv) राष्ट्रीय घटक।

एनईपी 2020 के अनुसार, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ) क्रमशः 20 अक्टूबर, 2022 और 23 अगस्त, 2023 को मौलिक चरण (एफएस) और स्कूल शिक्षा (एसई) के लिए जारी की गई है।

(घ): मंत्रिमंडल ने 7 सितंबर, 2022 को प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) नामक एक केंद्र प्रायोजित योजना को अनुमोदित किया। ये स्कूल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन को प्रदर्शित करने के लिए हैं और समय के साथ अनुकरणीय स्कूलों के रूप में उभरे हैं, और पड़ोस के अन्य स्कूलों को नेतृत्व भी प्रदान करते हैं। वे एक न्यायसंगत, समावेशी और आनंदमय स्कूल वातावरण में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने में अपने संबंधित क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान करते हैं जो बच्चों की विविध पृष्ठभूमि, बहुभाषी आवश्यकताओं और विभिन्न शैक्षणिक क्षमताओं का ध्यान रखता है और उन्हें एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के अनुसार अपनी स्वयं की अधिगम की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाता है।

पीएम श्री स्कूलों के चयन के पहले चरण में, महाराष्ट्र राज्य से कुल 516 स्कूलों को पीएम श्री स्कूलों के रूप में चुना गया था। पीएम-श्री योजना के तहत महाराष्ट्र में चयन के पहले चरण में चयनित स्कूलों का जिला-वार विवरण अनुलग्नक में संलग्न है।

****

अनुलग्नक

दिनांक 05.02.2024 को श्री अजय कुमार मंडल, श्रीमती लॉकेट चटर्जी, श्री रमेश चंद्र कौशिक, श्रीमती नवनीत रवि राणा, श्री महाबली सिंह और श्रीमती रमा देवी द्वारा "स्कूलों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी सुविधा" के संबंध में लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 306 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

पीएम श्री योजना के तहत महाराष्ट्र राज्य में चयन के पहले चरण में चयनित स्कूलों का जिलावार ब्यौरा:

क्र.सं.	जिले का नाम	पीएम श्री स्कूलों की संख्या
1	अहमदनगर	21
2	अकोला	11
3	अमरावती	18
4	औरंगाबाद	11
5	बीड	13
6	भंडारा	34
7	चंद्रपुर	18
8	धुले	7
9	गडचिरोली	16
10	गोंदिया	13
11	हिंगोली	5
12	जलगांव	18
13	जलना	12
14	कोल्हापुर	18
15	लातूर	13
16	नागपुर	21
17	नांदेड़	18
18	नंदुरबार	8
19	नासिक	26
20	उस्मानाबाद	9
21	पालघर	11
22	परभनी	11
23	पुणे	23
24	रायगढ़	20
25	रत्नागिरि	13
26	सांगली	14
27	सतारा	18
28	सिंधुदुर्ग	13
29	सोलापुर	23
30	ठाणे	14
31	वर्धा	13
32	वाशिम	7
33	यवतमाल	26
	कुल	**516**